आखर पंचायत

आइसेक्ट, रवीन्द्रनाथ टागोर विश्वविध्यालय एबं विश्वरंग की वैश्विक हिन्दी शिक्षण के लिए

डिजिटल प्राइमर

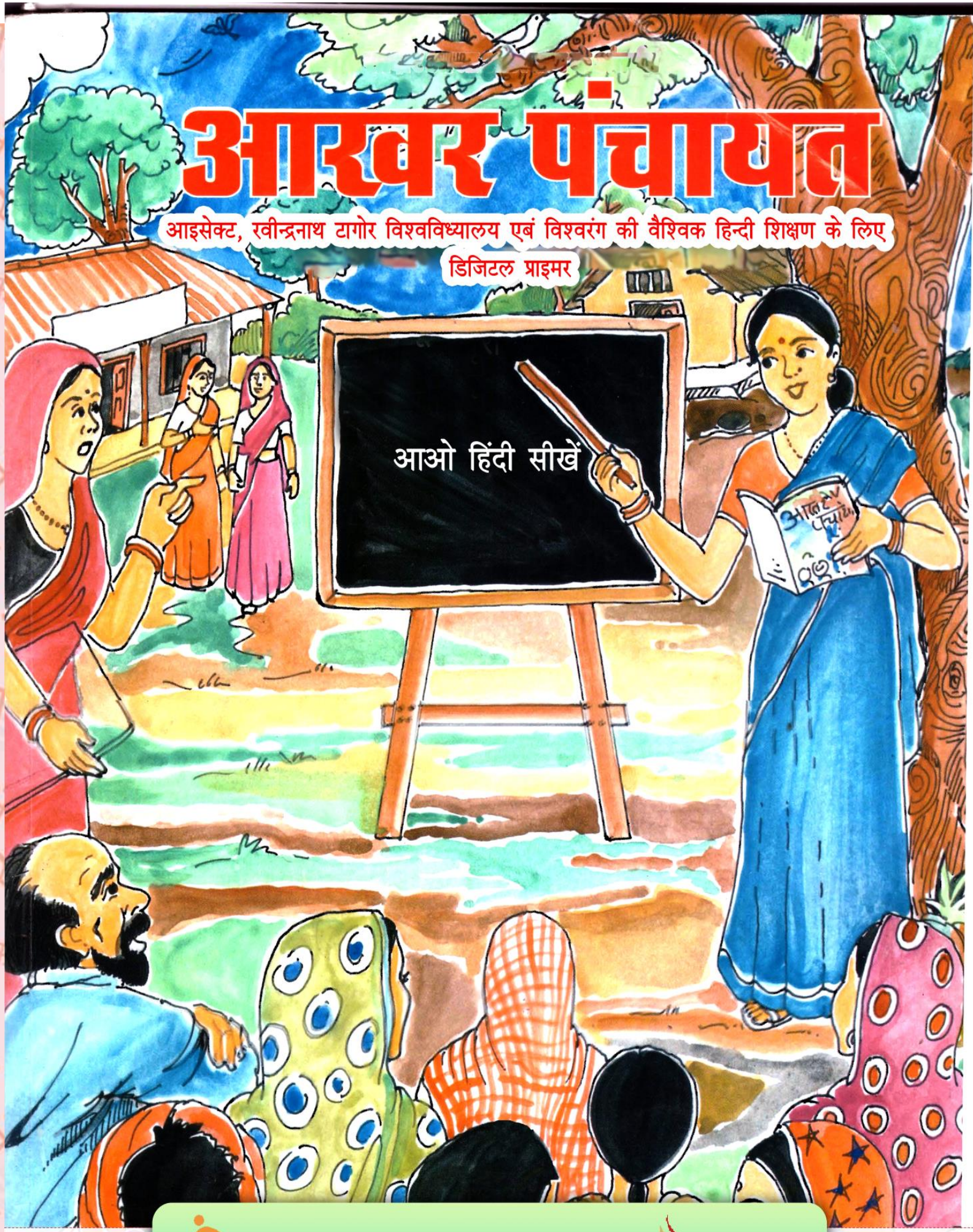

AISECT™ Education. Empowerment. Enterprise.

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL विश्व रंग

आइसेक्ट- एक परिचय

आइसेक्ट भारत का अग्रणी सामाजिक उद्यम है जो देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समावेशी बदलाव लाने के लिए कौशल विकास, उच्च शिक्षा, वित्तीय समावेशन, ई–गवर्नेंस और अन्य आईसीटी–आधारित सेवाओं के क्षेत्र में काम कर रहा है। 1985 में स्थापित, भोपाल मुख्यालय वाला संगठन लोगों को सशक्त बनाने, युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने और उद्यमशीलता पहल को आगे बढ़ाने के लिए पिछले 33 वर्षों से देश के सबसे दूरदराज के कोनों तक पहुंच रहा है। आइसेक्ट मॉडल एक बहुउद्देश्यीय, आत्मनिर्भर और उद्यमशील मॉडल है जो असंगठित क्षेत्र में आवश्यक विभिन्न कौशल और आईसीटी–आधारित प्रदाता है। 30,000 से अधिक केंद्रों, 12 राज्य कार्यालयों और 28 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से 29 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 475 जिलों, 1500 ब्लॉकों और 7200 पंचायतों में मजबूत उपस्थिति है। अब तक, इसने 20 लाख से अधिक लोगों को कौशल–आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया है, 75,000 से अधिक लोगों के लिए नेटवर्क के भीतर रोजगार के अवसर पैदा किए हैं और विभिन्न नवीन उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से 50 लाख से अधिक लोगों के जीवन को सशक्त बनाया है। आइसेक्ट ने 2020 तक 13 लाख युवाओं को कौशल–आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, 12 व्यावसायिक प्रशिक्षण अकादमियाँ स्थापित की गई हैं जो 150 से अधिक कम लागत, उच्च गुणवत्ता वाले विश्वविद्यालय प्रमाणित स्नातक, स्नातकोत्तर, प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करती हैं। आइसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) सहित कई केंद्र और राज्य सरकार कौशल विकास परियोजनाओं को भी क्रियान्वित कर रहा है, इसने 12 राज्य कौशल विकास मिशनों के साथ साझेदारी की है और प्रासंगिक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए 13 सेक्टर कौशल परिषदों के साथ हाथ मिलाया है। QP-NOS आधारित पाठ्यक्रम के अनुसार 100+ नौकरी भूमिकाओं के लिए उद्योग विशेषज्ञ। आइसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज ने उन स्थानों पर चार प्रमुख विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं, जिन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की सख्त जरूरत थी। इनमें डॉ. सी.वी. शामिल हैं। बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में रमन विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश) में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, हज़ारीबाग (झारखंड) में एआईएसईसीटी विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. वैशाली (बिहार) में रमन विश्वविद्यालय और डॉ. सी.वी. खंडवा (मध्य प्रदेश) में रमन विश्वविद्यालय। aisectmoocs.com भारत का सबसे बड़ा मुफ्त ऑनलाइन ओपन लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जबकि rojgarmantra.com छोटे शहर, जिला और ब्लॉक स्तर पर निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की प्रवेश स्तर की जनशक्ति आवश्यकताओं को संबोधित करता है।

aisectionline.com एक वन-स्टॉप विंडो है जो विभिन्न डिजिटल सेवाओं को अर्ध-शहरी और ग्रामीण परिवेश में आम आदमी के लिए सुलभ बनाती है। वित्तीय समावेशन योजना के तहत, आइसेक्ट तीन राष्ट्रीयकृत बैंकों और दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए राष्ट्रीय व्यापार संवाददाता के रूप में काम करता है। आइसेक्ट बैंकिंग कियोस्क प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना आदि जैसी सरकारी योजनाओं के तहत कई सेवाएं भी प्रदान करते हैं। संगठन की चल रही ई-गवर्नेंस पहल में काम करना शामिल है एक यूआईडी स्थायी नामांकन केंद्र, मध्य प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर 27 लोक सेवा केंद्र (एलएसके) की स्थापना, राजस्थान के 5 जिलों में 114 ई-मित्रों का प्रबंधन और अपने इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) को शुरू करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ काम करना। राष्ट्रीय राजमार्ग पर 370 टोल प्लाजा पर परियोजना। मोबाइल और डीटीएच रिचार्ज, परीक्षा फॉर्म डाउनलोड और जमा करना, रेलवे टिकट बुकिंग, डेटा एंट्री संचालन, ऑनलाइन वीज़ा एप्लिकेशन सेवाएं आदि जैसी बी2सी सेवाएं भी आइसेक्ट नेटवर्क के माध्यम से प्रस्तुत की जाती हैं।

आखर पंचायत

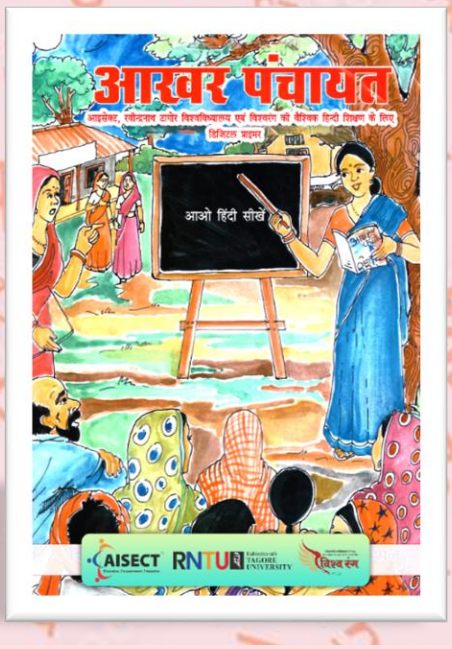

नमस्कार!

हिंदी पढ़ना-लिखना सीखने की दुनिया में आपका स्वागत है।

इस डिजिटल हिंदी प्रायमर के माध्यम से आप हिंदी सीखेंगे। यह डिजिटल प्रायमर कंप्यूटर एडेड डिजिटल लर्निंग मटेरियल पद्धति पर आधारित है और सीखने वाले षिक्षार्थी की समांतर कक्षा पद्धति का वातावरण देती है इसमें टीचर के रूप में कंप्यूटर होता है जिसमें इंटरएक्टिव माध्यम से पढ़ना-लिखना सिखाया जाता है।

यह प्रायमर आईपीसीएल पद्धति पर कार्य करती है जो सीखने-सिखाने की नवीनतम प्रक्रिया है। इस डिजिटल प्रायमर में कुल 24 पाठ है। पहले 12 पाठों में हिंदी वर्णमाला के 45 लिपि संकेत से बनने वाले षब्द, वाक्य और पाठ पढ़ना-लिखना सिखाया जाता है। साथ ही गणित में 1 से 1000 तक की गिनती और सरल जोड़ घटाना सिखाया गया है। भाषा गणित के साथ-साथ सामान्य चेतना और जन-जागरूकता हेतु काम कमाई, रोजगार, आवास, साफ पानी, वृक्षारोपण, र्प्यावरण, महिला साक्षरता जैसे विषयों पर बातचीत की जाती है।

बाद के 13 से 24 पाठांे में स्थानीय मान, हासिल के जोड़, उधार के घटाव, 2 से 10 तक पहाड़ा, गुणा करना घड़ी देखना, रूपये पैसे का जोड़ घटाना, भाग करना, तौल, किलोग्राम, माप-लीटर, मिलीलीटर, लंबाई और दूरी मापना, सार्वजनिक जगहों के संकेत कैलेंडर देखना गणित दोहराना सिखाया गया है। सभी 24 पाठ इंटर एक्टिव है। प्रत्येक पाठ, पाठ परिचय और गीत के साथ आरंभ होता है। फिर पाठ होता है उसके अभ्यास होते हैं फिर एक गीत के साथ पाठ समाप्त होता है।

आइये, अब जानते हैं डिजिटल प्रायमर के पाठ 1 से 12 में आप क्या सीख सकते हैं।

हिंदी पढ़ना और लिखना सीखने के लिये डिजिटल प्रायमर के पाठ 13 से 24 तक के पाठों में पाठ 13 में जिसका नाम है, सच-झूठ में क्या फर्क है आप हिंदी वर्णमाला के व्यंजन ठ और व र के रूर्प चिन्ह और स्थानीय मान सीख पायेंगे। पाठ 14 में जिसका नाम है 'एक डंक मच्छर का'।

इसमें स्वर ए व्यंजन ढ और च् और हासिल के जोड़ की जानकारी दी गई है।

आइये, तो ये जानकारी थी डिजिटल प्रायमर के विषय वस्तु की।

तो आइये चलते हैं हिंदी सीखने की दुनिया में डिजिटल प्रायमर के माध्यम से।

पाठ 1 में जिसका नाम है 'कमाई का काम'। इसमें क म ◌ा ई अक्षर और मात्रा सिखाई गई है।

पाठ 2 में रोजगार में र ओ ज ग अक्षर और मात्रा और 1 से 5 तक गिनती सिखाई गई।

पाठ 3 'नेहा का घर' में त्र ◌े ह ध अक्षर मात्रायें और 6 से 10 तक गिनती सिखाई गई है।

पाठ 4 साफ पानी का महत्व में 11 से 20 तक गिनती और सरल जोड़ सिखाया गया है।

पाठ 5 पेड़ लगाती मंगला- ल ड़ त्र अक्षर ओर ◌ं की मात्रा इक्कीस से 30 तक गिनती और दो संख्या के जोड़ सिखाये गये हैं।

पाठ 6 समान मजदूरी की खबर में द ू की मात्रा ख ब अक्षर और 31 से 40 तक गिनती और दो संख्या के जोड़ सिखाये गये हैं।

पाठ 7 षोभा की लिखाई पढ़ाई ष भ द अक्षर और ि की मात्रा में 40 से 50 तक गिनती और एक संख्या के घटाव सिखाये गये हैं।

पाठ 8 मवेषी मेला आया है व आ या ै की मात्रा अक्षर और 51 से 60 तक गिनती और घटाना सिखाया गया है।

पाठ 9 ईथरपुर में चुनाव में इ थ ु की मात्रा च अक्षर 61 से 80 तक गिनती और जोड़ना घटाना बताया गया है।

पाठ-10 छोटी उमर में षादी में छ ट उ अक्षर 81 से 100 तक गिनती जोड़ना, घटाना सिखाया गया है।

पाठ-11 ऐसे सुलझी उलझन में ऐ झ अक्षर ओर 100 से 200 तक गिनती सिखायी गई है।

पाठ 12 अब अंधेरा मिटायेंगी औरतें अ अं घ औ अक्षर और 101 से 1000 तक गिनती सिखायी गयी है।

हिंदी पढ़ना और लिखना सीखने के लिये डिजिटल प्रायमर के पाठ 13 से 24 तक पाठकों को

पाठ 13 में जिसका नाम है 'सच झूठ में क्या फर्क है' आप हिंदी वर्णमाला के व्यंन ठ और व र के रूर्प चिन्ह और स्थानीय मान सीख पायेंगे।

पाठ 14 में जिसका नाम है एक डंक मच्छर का है इसमें स्वर ए व्यंजन ढ और च् और हासिल के जोड़ की जानकारी।

पाठ-15 'भ्रूण हत्या गुनाह है' में व्यंजन ण और उधार का घटाना बताया गया है।

पाठ-16 'जननी सुरक्षा योजना' में व्यंजन क्ष और 2 से 5 तक पहाड़ा और गुणा करना सीख पायेंगे।

इसी तरह पाठ-17 'भाऊ का दर्द गायब' में स्वर ऊ और 6 से 10 तक का पहाड़ा आप सीख सकेंगे।

पाठ-18 'षोषण मिटाओ' में स्वर ओ व्यंजन ष और रूपये पैसे का जोड़ घटाना सिखाया गया है।

पाठ-19 'जयश्री का हौसला' में स्वर श्र और औ ौ की मात्रा के साथ भाग करना भी सिखाया गया है।

पाठ-20 'राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना' में तौल किलोग्राम की जानकारी दी गई है।

पाठ-21 'मिट्टी की कृपा' में ऐ ै की मात्रा और र का ृ रूप और माप में लीटर मिलीलीटर सिखाया गया है।

पाठ-22 'पोल खुली ढोंगी की' में व्यंजन ढ और लंबाई और दूरी को मापना सिखाया गया है।

पाठ-23 'वन अधिकार का ज्ञान' में व्यंजन ज्ञ और सार्वजनिक जगहों के संकेत के बारे में बताया गया है।

पाठ-24 में 'ऋण के लिये पत्र' में स्वर ऋ व्यंजन त्र कैलेंडर देखना और गणित को दोहराया जाता है।

प्रस्तुति और उत्पादन टीम

अवधारणा और मार्गदर्शन	श्री संतोष चौबे – निर्देशक – विश्वरंग (कुलाध्यक्ष एवं अध्यक्ष आइसेक्ट समूह)
गीत और संगीत	श्री संतोष कौशिक
सूत्रधार	डॉ. मोनिका सिंह, सुनीता सिंह
ऑडियो रिकॉर्डिंग और संपादन	आशीष पोद्दार
वीडियो	सौरभ अग्रवाल, सत्या मालवीय
वीडियो संपादन	सौरभ अग्रवाल और प्रशांत कुरसांगे
निर्माण प्रस्तुति सहयोग	संजय सिंह, रोहित श्रीवास्तव, विवेक बापट, प्रीति राठौर
एनीमेशन ग्राफिक्स	कार्तिक सराठे और एएमएम मीडिया वर्क्स
ऐनमैटिड स्क्रिप्ट और वॉयस ओवर	प्रशांत सोनी
आखर पंचायत पुस्तिका मूल लेखन	संजय सिंह राठोर
क्रिएटिव निर्देशक	प्रशांत सोनी
विशेष सहयोग	डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी (चांसलर SGSU) डॉ. अदिति चतुर्वेदी (प्रो–चांसलर) डॉ. विजय सिंह
सर्वाधिकार	आइसेक्ट **© & Pat. 2023 RNTU**

संपर्क –

आईसेक्ट -

फ़ोन - +91-755-2432801, +91-9098636869

ई-मेल - aisect@aisect.org

पता - आईसेक्ट मुख्यालय - आईसेक्ट मुख्यालय, एनएच-12, निकट मिसरोद, होशंगाबाद रोड, भोपाल-462047

आओ हिन्दी सीखें
डिजिटल प्राइमर

vkbZsDV] johUæukFk VSxksj fo’ofo|ky; ,oa fo'ojax dh oSf'od fgUnh f'k{k.k ds fy, fMftVy çkbej

हर महिला साक्षर, हम साक्षर

स्कोप केम्पस, NH -12, मिसरोद, नर्मदापुरम रोड
फोन : +91–755-2432801/830/940/950
फैक्स : 0755-2432811
ई-मेल : aisect@aisect.com